केलवा में नया अध्याय जुडा

आचार्यश्री महाश्रमण ने दो समणियों को साध्वी एवं एक मुमुक्षु को सावधिक समण दीक्षा दी, साध्वी परमप्रभा, साध्वी प्रेक्षाप्रभा और समण गौतमप्रज्ञ के नाम से जाने जाएंगें तीनों दीक्षार्थी, उमडा अपूर्व जनसैलाब, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चतुर्वेदी ने समारोह में शिरकत की, कहा–तेरापंथ के सिद्धांतों पर चलते तो नहीं फैलता भ्रष्टाचार

केलवाः 1 नवम्बर

देश और विदेश में क्रांतिभूमि एवं तेरापंथ धर्म संघ की उद्गम स्थली के रुप में विख्यात हो चुकी केलवा की तपोभूमि पर मंगलवार को एक ओर अध्याय स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया। अवसर भी कुछ खास था दो समणियों की साध्वी और एक मुमुक्षु की सावधिक समण दीक्षा समारोह का। अभूतपूर्व जनमैदिनी की मौजूदगी में तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिष्ठाता आचार्यश्री महाश्रमण ने तीनों को दीक्षा प्रदान की और समणी परमप्रज्ञा का नामकरण करते हुए साध्वी परमप्रभा, समणी प्रेक्षाप्रज्ञा को साध्वी प्रेक्षाप्रभा और मुमुक्षु गणपतलाल बोहरा को समण गौतमप्रज्ञ नाम दिया।

कस्बे के तेरापंथ समवसरण में सुबह नौ बजे महामंत्रोचार के साथ प्रारंभ हुए दीक्षा समारोह में आचार्यश्री ने तीन दीक्षा प्रदान की। उन्होंने दीक्षा प्रदान करते हुए कहा कि तेरापंथ की दीक्षा में बहुत पारदर्शिता होती है। मैं स्वयं भी इसी तरह की दीक्षा देने में विश्वास रखता हूं। प्रलोभन देकर दीक्षा देना मुझे पसंद नहीं है। तेरापंथ में दीक्षा देने के पूर्व लिखित और मौखिक आज्ञा अभिभावकों से ली जाती है। उन्होंने हजारों की जनमैदिनी की उपस्थिति में कहा कि तेरापंथ में दीक्षा होना सरल बात नहीं है, जो भाग्यशाली होता है वही इस संघ में दीक्षा ले सकता है। यहां दीक्षा लेने के बाद गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण करना होता है। अपनी इच्छा गुरु के सम्मुख निवेदित कर सकता है। पर जो गुरु का निर्णय होगा उसे स्वीकार करना जरुरी होता है।

आचार्यश्री ने संबोधि के छठे अध्याय में उल्लेखित अगार और अनगार का परिभाषित करते हुए कहा कि अगार वह है जो गृहस्थ जीवन में रहता है और जो अनगार होता है वह परिवार का त्यागी होता है और साधु कहलाता है। जिस गृहस्थ में धार्मिकता का समावेश होता है और वे 12 व्रती बन जाते है। इनसे यह अपेक्षा है कि वे सामयिक की

आराधना करें। एक माह में पौषध करना भी बडी बात है। श्रावक जीवन में कुछ आत्माएं ऐसी होती है जो आगे बढने की चेष्टा रखती है। इन्हें अपना जीवन साधना में व्यतीत करना चाहिए। हमारे धर्म संघ में अनेक साधु गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी के समय दीक्षित हुए और यह क्रम आचार्यश्री महाप्रज्ञ के समय भी जारी रहा। उन्होंने कहा कि दीक्षित होने की भावना को परिपक्व करना महत्वपूर्ण है। हमने गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी के जन्म शताब्दी समारोह के दौरान सौ दीक्षा का संकल्प लिया है। इसे पूरा करने के लिए श्रावक समाज को भी अपनी सहभागिता का निर्वाह करना है। साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने दीक्षार्थी समणी परमप्रज्ञा और प्रेक्षाप्रज्ञा का केंशलोच संस्कार संपन्न किया।

केलवा की धरा तीर्थ के समान

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि तेरापंथ धर्म संघ की उद्गम स्थली केलवा की धरा एक तीर्थ के समान है। यहां आकर और आचार्यश्री से आशीर्वाद लेकर मैं अपने आप को धन्य महसूस कर रहा हूं। इस धर्म संघ के आचार्यश्री तुलसी ने देशभर में अणुव्रत का आन्दोलन चलाया। आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने अहिंसा यात्रा के माध्यम से लोगों को जीने की प्रेरणा दी और अब आचार्यश्री महाश्रमण इस मशाल को लेकर आगे चल रहे है। उन्होंने कहा कि आज इस शांतिप्रिय देश में आतंक, हिंसा ने अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया है। भ्रष्टाचार दिनोंदिन बढता जा रहा है। काला धन विदेशों में जमा हो रहा है। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं है बल्कि व्यक्ति के मन की कमजोरी है। हम शुरु से ही तेरापंथ के सिद्धांतों की पालना करते तो शायद आज देश जिन समस्याओं के मुहाने खडा है वैसी स्थिति का सामना देशवासियों को नहीं करना पडता। उन्होंने राजनीति में धर्म के प्रभाव की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा कि इसकी कमी से एक कमजोरी सी आ गई है। आचार्यश्री का अंकुश इस पर रहे तो हम अनेक समस्याओं का समाधान ढूंढ पाएंगे।

रजोहरण प्रदान किया

साध्वी प्रमुखा ने अहिंसा ध्वज रजोहरण को आर्ष वाणी में आशीर्वाद के साथ दीक्षार्थी समणी परमप्रज्ञा और प्रेक्षाप्रज्ञा को प्रदान किया। इस अवसर पर समणी भावितप्रज्ञा ने दीक्षार्थी समणियों का परिचय प्रस्तुत किया। दीक्षार्थी समणी प्रेक्षाप्रज्ञा, परमप्रज्ञा, दीक्षार्थी गणपतलाल बोहरा ने दीक्षा को लेकर अपने विचार प्रकट किए। दीक्षार्थी गणपतलाल बोहरा के आज्ञापत्र का वाचन बजरंग जैन ने किया। समण सिद्धप्रज्ञ ने कहा कि तेरापंथ धर्म संघ में यह 22 वीं सावधिक दीक्षा है और मेवाड के लिए खास बात यह है कि यहां के व्यक्ति की पहली बार साधविक समण दीक्षा हो रही है। इस दौरान समणी नियोजिका समणी मधुरप्रज्ञा ने भी विचार रखें। व्यवस्था समिति के अध्यक्ष महेन्द्र

कोठारी, महामंत्री सुरेन्द्र कोठारी, तेरापंथी सभाध्यक्ष बाबूलाल कोठारी, स्वागताध्यक्ष परमेश्वर बोहरा ने मंगलकामना करते हुए क्षमायाचना की। समणीवृंद ने समूहगीत का संगान किया। रुस देश से समागत प्रेक्षाध्यान के प्रशिक्षकों ने अभिनंदन गीत और प्रेक्षा गीत का संगान किया। संयोजन मुनि मोहजीतकुमार ने किया।

उमडा जन सैलाब

सात वर्ष बाद एक चातुर्मास में दूसरी बार मेवाड की क्रांतिभूमि केलवा में दीक्षा समारोह को लेकर लोगों का हुजूम उमड पडा। सवेरे नौ बजे तक तो यह स्थिति हो गई कि सडक पर चारों तरफ लोगों का हुजूम ही नजर आ रहा था। समारोह स्थल खचाखच भरा हुआ था। समारोह समाप्ति के बाद सडकों पर लोगों का रैला दिखाई दिया। यह स्थिति एक घंटे तक बनी रही।

निःशुल्क नैत्र परीक्षण शिविर का समापन

केलवाः 1 नवम्बर

आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में लॉयन्स क्लब जयपुर राजधानी एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय निःशुल्क नैत्र परीक्षण शिविर का मंगलवार को समापन हुआ। इस दौरान करीब 500 लोग लाभान्वित हुए।

शिविर में मरीजों का नैत्र परीक्षण किया गया तथा आवश्यक लोगों को चश्में के नम्बर निकाले गए। इन्हें चश्मों का वितरण 6 नवम्बर को प्रातः 10 बजे आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में तेरापंथ समवसरण, भिक्षु विहार केलवा में वितरित किए जाएंगे।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के प्रभारी मुनि रजनीशकुमार ने कहा कि यह संस्था चिकित्सा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। मरीजों के स्वास्थ्य को लेकर समय–समय पर जानकारी देकर जागरूकता फैला रही है। लॉयन्स क्लब जयपुर के शिविर संयोजक के.सी. भण्डारी ने बताया कि शिविर में रविवार को निर्धन व असहाय लोग जिनमें – विकलांगों के लिए ट्राई साइकिल तथा बैसाखियां, बुजुर्गों के लिए श्रवण यंत्र, छड़ियां, विधवाओं को सिलाई मशीन व असहाय बेरोजगार लोग उनका चाय थड़ी का सामान वितरित किए जाएंगे।

शिविर के संयोजक खुशाल बोहरा ने तीन दिवसीय शिविर की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं में अपनी सहभागिता का निर्वाह किया। शिविर में ऑप्टीमेस्ट्रिस्ट जसवीरसिंह, कैलाश गौड़ व ईलमास ने अपनी सेवाएं दी। साथ ही डॉ. रविनन्द चहल तथा भिक्षु चिकित्सालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश मीणा व स्टाफ का सहयोग सराहनीय रहा। शिविर की सफल क्रियान्विति में भावेश सोनी, गौतम कोठारी, सुनील कोठारी, रतनसिंह पंवार, विकास मोयल एवं तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम कैम्प ऑफिस के प्रबंधक मनीष मोयल एवं सह प्रबंधक कमलेश भाटी ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।